[श्री हरिकेश बहादुर]

रहे हैं। ये कर्मचारी बेरोजगार होने के कारण दर दर की ठोकरें खा रहें हैं और उनके समक्ष रोजी रोटी का गम्भीर संकट व्याप्त है। अतः सरकार से हमारी मांगें है कि ऐसे कर्मचारियों को स्थायी बेरोजगार प्रदान करने हेतु तत्काल ठोस उपाय किये जायें ताकि उनकी बे रोजगारी की समस्या का समाधान हो सके।

(iv) NEED TO ERADICATE BEGGING

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर) : मान्यवर, हमारे देश में आज भी भिक्षावृत्ति प्रथा व्यापक रूप से प्रचलित है। यह समस्या सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों में इतनी उलझी हुई है कि कोई भी कानूनी उपाय इससे मुक्ति दिलाने में सफल नहीं हुआ है। यह प्रथा देश एवं समाज पर कलंक का टीका बन कर रह गई है। रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, मेलों, मंदिरों एवं यहां वहां सर्वत्र कुछ पाने की लालच में किसी न किसी भिखारी का हाथ पसर जाता है। इनमें बड़े बूढ़े बच्चे, महिलायें आदि विभिन्न प्रकार के लोग हो सकते हैं। लाखों अनाथ एवं असहाय भिक्षुओं के अतिरिक्त लाखों पेशेवर भिक्षुक भी होते हैं। पेशेवर प्रौढ़ भिखारी बच्चों का अपहरण कर उनका अंग भंग कर के अथवा उन्हें भयाक्रांत कर के भिक्षावृत्ति में लगा देते हैं। छोटे छोटे बच्चों को हाथ फैलाकर दूसरों के समक्ष गिड़गिड़ाते देख कर किसका हृदय करुणा से द्रवित न हो जायगा। तब तक सामाजिक आर्थिक विकास के लाभ का समान वितरण न हो, भिक्षावृत्ति जैसी सामाजिक बुराइयों के निदान के लिए सरकारी हस्तक्षेप अत्यन्त आवश्यक है। इसे रोकने के लिए सरकारी एवं एच्छिक प्रयासों के साथ कानूनी उपायों को मिला कर एकसम्यक कार्यवाही की जानी चाहिए। दीनहीन एवं निराश्रित भिक्षुओं के पुनर्वास आदि की व्यवस्था करनी होगी। पेशेवर भिक्षुओं को रचनात्मक कार्यों में लगाया जा सकता है। जो लोग बालकों को भिक्षाटन के लिए बाध्य करते हैं, उनके लिए कठोर दंड की व्यवस्था होनी चाहिए। सरकारी साधनों एवं एच्छिक संगठनों द्वारा प्रदत्त सेवाओं में प्रभाशाली समन्वय होना चाहिए।

केन्द्रीय एवं प्रान्तीय सरकारों द्वारा इस कलंक को मिटाने के लिए जो भी अधिनियम पारित किये गये हैं उनका क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। यदि तत्काल प्रभावकारी उपाय नहीं किये गये तो एशियाई खलों के समय राजधानी में भिक्षुकों का बड़ा जमाव हो सकता है।

मैं माननीय शिक्षा मंत्री से निवेदन करूंगा कि देश से भिक्षावृत्ति के उन्मूलन के लिए तत्काल प्रभावकारी कदम उठाये जायें। विभिन्न प्रान्तों के समाज कल्याण मंत्रियों का यथाशीघ्र सम्मेलन बुला कर तमाम सम्बन्धित समस्याओं पर विचार करके एक समयबद्ध कार्यक्रम बनाया जाना चाहिए और इस कुप्रथा का मूलोच्छदन किया जाना चाहिए।

13 hrs.

(v) NEED FOR MAKING AVAILABLE THE TOTAL ALLOTMENT OF FUNDS FOR YELERU RESERVOIR PROJECT IN ANDHRA PRADESH.

SHRI KUSUMA KRISHNA MURTHY (Amalapuram): Yeleru Reservoir Project is a mojor irrigation project proposed on Yeleru river near Yeleswaram in East Godavari district of Andhra Pradesh. Though the scheme was considered in 1951 for flood control, it was finalized for irrigation in 1971. This project can irrigate about one lakh acres of land in Prathipadu Pithapuram and Tuni of East Godavari district and Narsipatnam, Anakapalli and Chodavaram of Visakhapatnam district. Later, the scheme has been